UP TGT-PGT Daily Rank Booster, Hindi Day -7

ENTRI
GET IT ON Google Play

1. **'ढाई घर' उपन्यास के उपन्यासकार का नाम बताएं-**

A **गिरिराज किशोर**

B मोहन राकेश

C श्रीलाल शुक्ल

D फनीश्वरनाथ रेणु

ENTRI

Solution

ढाई घर हिन्दी के विख्यात साहित्यकार गिरिराज किशोर द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1992 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गिरिराज किशोर (8 जुलाई 1937 - 9 फरवरी 2020) हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार होने के साथ-साथ एक सशक्त कथाकार, नाटककार और आलोचक थे। इनके सम-सामयिक विषयों पर विचारोत्तेजक निबंध विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित होते रहे हैं। इनका उपन्यास ढाई घर अत्यन्त लोकप्रिय हुआ था। वर्ष 1991 में प्रकाशित इस कृति को 1992 में ही साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कर दिया गया था।

2. **वे शब्द जो लिंग, वचन, कारक के आधार पर परिवर्तित नहीं होते हैं वे कौन से शब्द होते हैं?**

A **अव्यय**

B क्रिया

C सर्वनाम

D संज्ञा

Solution

अव्यय का शाब्दिक अर्थ होता है – जो व्यय न हो। जिनके रूप में लिंग , वचन , पुरुष , कारक , काल आदि की वजह से कोई परिवर्तन नहीं होता उसे अव्यय शब्द कहते हैं।

अव्यय का मूल रूप स्थिर रहता है,कभी बदलता नहीं है। जैसे – आज, काल, किन्तु, परन्तु

3. **'अकाल में सारस' कविता के कवि हैं:**

A केदारनाथ अग्रवाल

B फनीश्वरनाथ रेणु

C **केदारनाथ सिंह**

D सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Solution

केदारनाथ सिंह की कविताओं का संग्रह 'अकाल में सारस' आज की हिंदी कविता को एक सर्वथा नया मोड़ देने की सार्थक कोशिश है।

इस संग्रह के साथ यह उम्मीद बनी रहेगी कि कविता अपनी जड़ों में ही फैलती है और उसी से प्राप्त ऊर्जा के बल पर वह अपने समय, परिवेश, आदमी के संघर्ष, प्रकृति में धडक़ती हुई जिजीविषा को उपयुक्त शब्द देने में कामयाब होती है।

4. **निम्न विकल्पों में से कौन सा शब्द समानार्थी नहीं है?**

A **केशव**

B मनोज

C रतिनाथ

D मदन

ENTRI

Solution

'केशव' भिन्न अर्थ वाला शब्द है।

मदन, मनोज, रतिनाथ तीनों पर्यायवाची शब्द हैं।

इनके पर्यायवाची शब्द हैं - मन्मथ, मार, कंदर्प, अनंग, मनसिज, कामदेव आदि।

5. **जिसके लिए क्रिया की जाए, वहाँ कौन सा कारक होगा?**

A अधिकरण कारक

B अपादान कारक

C **संप्रदान कारक**

D कारण कारक

Solution

जिसके लिए क्रिया की जाए, वहाँ संप्रदान कारक होता है। इसलिए इसका सही उत्तर 'संप्रदान कारक' है। दिये गए अन्य विकल्प इसके अनुचित उत्तर होंगे।

कर्ता से कुछ देता है अथवा जिसके लिए क्रिया करता है उसे संप्रदान कारक कहते हैं।

6. **किस वाक्य में विराम चिन्ह सही रूप में प्रयोग किए गए हैं?**

A सब, ईश्वर की माया है

B सब ईश्वर: की माया है

C **सब ईश्वर की माया है।**

D सब ईश्वर की, माया है

Solution

किसी बात को कहने एवं उसके अर्थ को स्पष्ट रूप से कहने के लिए हम विराम लेते हैं जो लिखते समय चिन्हों के रूप में दर्शाया जाता है, ये ही विराम चिन्ह कहलाते हैं।

जब हम लिखित रूप में वाक्य को अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए कभी पहले, बीच में, अंत में या फिर अन्य रूपों में ठहरते हैं तो वो विराम कहलाता है और जब हम इसे किसी चिन्ह के माध्यम से दर्शाते हैं तो ये विराम चिन्ह कहलाते हैं।

7. **निम्नलिखित काव्य पंक्ति किस छंद का उदाहरण है?**

सीस-मुकुट कटि-काछनी, कर-मुरली उर-माल। इहिं बानक मो मन, बसो सदा बिहारीलाल।

A सवैया

B चौपाई

C **दोहा**

D बरवै

ENTRI

Solution

उपरोक्त काव्य पंक्ति दोहा छंद का उदाहरण है।

दोहा छंद में पहले और तीसरे चरण में 13–13 मात्राएँ तथा दूसरे और चौथे चरण में 11–11 मात्राएँ होती हैं। दूसरे व चौथे चरण के अन्त में 1 लघु अवश्य होना चाहिए।

8. **हास्य रस का स्थायी भाव क्या है?**

A रति

B **हास**

C विस्मय

D उत्साह

Solution

हास्य रस का स्थायी भाव ‘हास’ है।

किसी वस्तु या व्यक्ति का विचित्र (असंगत) आकार अजीव ढंग की वेशभूषा, बातचीत और ऊटपटांग आभूषणों आदि को देखकर हृदय में जो विनोदपूर्ण भाव उत्पन्न हो जाता है, उसे हास कहते हैं।

9. **निम्नलिखित विकल्पों में से वाक्य का अशुद्ध रूप क्या है?**

A इत्र महक रहा है।

B इत्र महकता है।

C इत्र के द्वारा महका जाता है।

D **इत्र महक रही है।**

Solution

'इत्र महक रही है।' अशुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें उचित लिंग का प्रयोग नहीं है। 'रही है' स्थान पर 'रहा है' का प्रयोग होना चाहिए। क्योंकि 'इत्र' पुल्लिंग शब्द है।

ENTRI

10. **'आई' प्रत्यय से बनने वाला शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?**

A भवदीय

B सेठानी

C ठकुराइन

D **चतुराई**

Solution

'आई' प्रत्यय से बन शब्द 'चतुर+आई=चतुराई' है।

ठाकुर+आइन=ठकुराइन, सेठ+आनी=सेठानी, भवत्+ईय=भवदीय आदि हैं।

'चतुराई' भाववाचक तद्धित प्रत्यय का उदाहरण है।

संज्ञा सर्वनाम और विशेषण के अन्त में लगने वाले प्रत्यय को 'तद्धित' कहा जाता है और उनके मेल से बने शब्द को 'तद्धितान्त'।

ENTRI
GET IT ON Google Play